कचरे से कंचन

निमोली बीज संग्रह–हजारों लाखों को रोजगार

देखिये! नीम से हम सब परिचित है ही। यह पेड़ सैकड़ों हजारों वर्षों से हमें कीट नियन्त्रक तत्व प्रदान करता रहा है, जिसके उपयोग से हम सुरक्षित कीट नियन्त्रक के युग में प्रवेश कर सकते है।

इसी नीम के फल निम्बोली को संग्रह कर हम रोजगार का साधन बना सकते है। यह हमारे लिए प्रकृति का वरदान है, इसे बेकार मत जाने दीजिए। क्योंकि यह मिट्टी में नीचे पड़ी रहने से 5–7 रोज में ही खत्म हो जाती है। और हम इस कुदरती देन से वंचित रह जायेंगे।

इसको इकट्ठा कैसे करें?

अब निम्बोली का सीजन है, नीम के पेड़ों पर निम्बोलियां लगनी आरम्भ हो गयी है, जो पकने पर पीले पड़ने पर स्वतः ही अथवा पेड़ को किसी बांस से हिलाने पर नीचे गिर जाती है।

हां, पेड़ के नीचे की जगह को बुहार कर कचरा कंकड़ हटा दीजिये और प्रतिदिन ढ़ेर सारी निम्बोलियों संग्रह कीजिए।

संग्रह के बाद इसको (कंकड़, मिट्टी रहित) गिली अथवा सूखी हालत में किस्म अनुसार निम्न पते पर दे सकते है। अथवा हमारे संग्राहक (श्री पुरूषोत्तम जी, मोबाइल नं. 9680086718) को देवें और नकद भुगतान प्राप्त करें।

आईये आज आप–हम मिलकर देश की इस दौलत को मिट्टी में मिलने से बचायें व उसका संग्रह कर उसका उचित उपयोग कर लाखों को मौसमी रोजगार दिलाने के साथ–साथ विपुल मात्रा में राष्ट्रीय सम्पत्ति का निर्माण भी करें।

नीम के अलावा सत्यनाशी (कटेली), तुम्बा, करंज, रतनजोत आदि स्थानिय वनस्पति का संग्रह करने की नैसर्गिक स्थिति हो तो आप हमसे सम्पर्क जरूर करें।

निम्बोली स्वाद में कडवी है
तो आर्थिक आधार पर मीठी भी है।

गोयल ग्रामीण विकास संस्थान

श्रीरामशान्ताय

जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र

राजस्थान जैविक प्रमाणीकरण संस्थान जयपुर द्वारा प्रमाणित

ग्राम जाखोड़ा, कैथून-सांगोद मार्ग, कोटा - 325001 (राजस्थान)

88759 95439 ggvs@goyalglobal.com www.ggvsglobal.com